प्रश्न.1 इस प्रश्न में अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में देना है सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question.1 This question contains very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks.

1

प्रश्न (1)

उत्तर किसी भी पत्र को लिखने समय पहले पहले उसका कच्चा मसौदा तैयार किया जाता है जिसे प्रारूपण कहते हैं।

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न (2)

उत्तर उत्पत्ति की दृष्टि से शब्द पाँच प्रकार के होते हैं।
(1) तत्सम (2) तद्भव (3) देशज (4) विदेशज (5) संकर

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न (3)

उत्तर प्रत्यय :) जो किसी शब्द के अन्त में जुड़कर भाव परिवर्तित कर देते हैं) :) प्रत्यय के दो भेद होते हैं।
(1) कृत प्रत्यय :) ये प्रत्यय सिर्फ धातु में जुड़ते हैं।
(2) तद्धित प्रत्यय :) ये धातु को छोड़कर सभी शब्दों में जुड़ते

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न (4)

उत्तर परिभाषिक शब्द अपने आप में पूर्णता का गुण होता है। जबकि अर्द्ध परिभाषिक शब्द वाक्यांशों के बिना पूर्णता का अभाव होता है। परिभाषिक शब्द - राजपुत्र, महाराजा अर्द्ध परिभाषिक शब्द :) पानी, मटका

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न (5)

उत्तर शब्द किसी भाषा में एक सार्थक कड़ी होती है। जिसका अपना अर्थ होता है। यह स्वतंत्र अस्तित्व होता है। उत्पत्ति के आधार पर पाँच प्रकार के होते हैं।

पू./M =03 प्राप्तांक

KAUTILYA ACADEMY INDORE

प्रश्न. 1
Question. 1

इस प्रश्न में अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में देना है सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है

This question contains very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks.

प्रश्न (6)

उत्तर देवनागरी लिपि का विकास ब्राह्मी लिपि के रूप में हुआ है।

प्रश्न (7)

उत्तर व्याकरण किसी भाषा को समझने एवं त्रुटिरहित लेखन करने व उसकी संरचना को जानने के लिए नियम, उपनियमों की श्रृंखला जो भाषा की नींव होती है व्याकरण कहलाती है

प्रश्न (8)

उत्तर सार्थक ⇒ जिसका सुनिश्चित अर्थ हो (अर्थसहित)
निरर्थक ⇒ जिस अर्थहीन

प्रश्न (9)

उत्तर व्यंजन संधि ⇒ जब दो वर्णों के मेल में पहला वर्ण व्यंजन व दूसरा स्वर या व्यंजन हो तो उनके मेल को व्यंजन संधि कहते हैं। उदा. ⇒ सत् + जन ⇒ सज्जन

प्रश्न (10)

उत्तर दो या दो से अधिक शब्दों से निर्मित शब्दों को समास कहते हैं। इसमें कारक पदों या मध्यस्थ पदों का लोप भी होता है। व यह काव्य व भाषा में चारुत्व उत्पन्न करता है। समास के 6 भेद हैं।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

प्रश्न.1 इस प्रश्न में अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में देना है।

Question.1 This question contains very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. Each question carries 03 (Three) Marks.

3

प्रश्न (11)

उत्तर (1) पल्लवन किसी भाव या वाक्य का विस्तारित रूप होता है।
(2) मूल भाव की अभिव्यक्ति से निकटता होना चाहिए।
(3) स्पष्ट, सरल भाषा में हो व समीक्षात्मक विवरण करने हेतु लेखक स्वतंत्र होता है।

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न (12)

उत्तर कर्मधारय समास में पूर्व पद व उत्तरपद में विशेषण व विशेष्य का संबंध होता है। जबकि बहुव्रीहि समास में संयुक्त पद विशेषण होकर अलग अर्थ समाहित रखता है। लंबोदर => लंबा है जो उदर (कर्मधारय) लंबोदर => लंबा है जिसका उदर अर्थात गणपति (बहुव्रीहि)

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न (13)

उत्तर जब किसी कार्यालय से प्राप्त पत्र के उत्तर में कोई पत्र अपने मूलरूप में ही अन्य कार्यालयों, विभागों को भेजा जाता है। पृष्ठांकन कहलाता है।

KANTILYA ACADEMY INDORE

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न (14)

उत्तर संक्षेपण => किसी भाषण, पुस्तक, संवाद को उसके एक तिहाई आकार में क्रमबद्ध, स्पष्ट विवरण संक्षेपण है व पल्लवन => किसी भाव या वाक्य का सरल भाषा में स्पष्ट व मूलभाव को यथार्थ मानकर समीक्षात्मक विवरण पल्लवन है।

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न (15)

उत्तर जब किसी समस्या के निराकरण हेतु निश्चित प्रारूप में संबंधित कार्यालय को प्रेषित पत्र कार्यालयीन ज्ञापन होता। जब समस्या के निराकरण हेतु ज्ञापन निजी संगठनों या व्यक्तियों को दिया जाता है। उसे ज्ञापन कहते हैं

प्रश्न 1 / Question 1

इस प्रश्न में अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में देना हैं सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

This question contains very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three) Marks.

4

प्रश्न (16)

उत्तर उपसर्ग => ये शब्द के आदि में जुड़कर उसमें परिवर्तन करते हैं।
जैसे => (उप) अभि + मान => अभिमान।
प्रत्यय => ये शब्द के अन्त में जुड़कर उसमे परिवर्तन करते हैं।
उदा. => समझ + आना (प्रत्यय) => समझाना।

प्रश्न (17)

उत्तर 'क' वर्ग निम्नावली => फेफड़े से निकली हवा कण्ठ से टकराकर बाहर निकलती है। यह कण्ठ वर्ण शामिल यह जीभ के अग्र भाग से उच्चारित होते हैं।

प्रश्न (18)

उत्तर उच्चारण काल के आधार पर स्वरों को दो वर्गों में विभाजित करते
(1) ह्रस्व स्वर => इनके उच्चारण में कम समय (अ, इ, उ)
(2) दीर्घ स्वर => इनके उच्चारण में अधिक समय (आ, ई, ऊ)

प्रश्न (20)

उत्तर स्वर स्वतंत्र रूप में होते हैं जबकि बिना स्वर के व्यंजनों का उच्चारण नहीं हो सकता उच्चारण के आधार पर स्वरों की संख्या => 13 व व्यंजन - 35 व संयुक्त व्यंजन = (4)
उदा. स्वर - अ, आ, ई, व्यंजन => क, ख,

प्रश्न (19)

उत्तर भाषा विस्तृत क्षेत्र में बोली जाती है। इसको बड़े वर्ग समूह द्वारा बोला जाता है। व बोली क्षेत्रीय स्तर पर व स्थानीय स्तर पर क्षेत्र विशेष के लोगों द्वारा बोला जाता है।

प्रश्न 1 इस प्रश्न में अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में देना है सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question 1 This question contains very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three) Marks.

प्रश्न (21) पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर (1) हिन्दी
(2) ~~बिहारी~~ ~~[illegible]~~ मालवी

प्रश्न (22) पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर नागरी प्रचारिणी सभा का मूल उद्देश्य हिन्दी को जनभाषा का दर्जा दिलाना व हिन्दी का विकास करना व प्रोत्साहन देना था।

प्रश्न (23) पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर खड़ी खड़ी बोली का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

प्रश्न (24) पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर देवनागरी लिपि में लिखे जाने वाली तीन भाषाएं
हिन्दी, संस्कृत, बोडो।

प्रश्न (25) पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर 92 संशोधन के द्वारा जोड़ी गई भाषा
(1) बोडो, (2) डोंगरी, (3) संथाली, (4) मैथिली

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

2 i

श्लेष्म = श्लेष्म का अर्थ होता है - चिपका हुआ अर्थात जब एक ही शब्द अनेक अर्थ व्याप्त हो वहा श्लेष्म अलंकार होता है।

उदा. " रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून
पानी गए ना उबरे, मोती मानुष चुन "

उदा. मंदिर में रहन वारि, मंदिर में रहाती है।
तीन बेर खती थी वे तीन बेर खाती थी।

यमक => जहा काव्य में शब्दो की आवृत्ति हो व प्रत्येक का अर्थ भिन्न हो वहाँ यमक अलंकार होता है।

उदा. => कनक-कनकते सौ गुनी मादकता अधिकाय
या खाय बौराय जग वा पाय बौराय

2 ii

उपमा => जहाँ काव्य में रूप, स्वभाव गुण व्यवहार की समानता के कारण उपमेय की उपमान से तुलना की जाये वहाँ उपमा अलंकार होता है।
उपमा के चार अंग है।
(1) उपमान => जिससे तुलना की जाये
(2) उपमेय => जिसकी तुलना की जाये।
(3) सम्बध सूचक => जिस माध्यम में तुलना हो।
उपमा के दो प्रकार है।
उदा. => सीतामुख चांद सा सुन्दर
चरण कमल सा सुन्दर

पीपर पात सरीसमन डोला

रूपक ⇒ जहाँ काव्य में उपमान व उपमेय को सादृश्य प्रस्तुत कर उनके भेद का अभाव करके उपमान प्रस्तुत को अप्रस्तुत के समान वर्णित किया जाता है। वहाँ रूपक अलंकार दृष्टिगोचर होता है।

उदा० ⇒ चरणकमल वन्दौं हरिराई
मुख चन्दु सा सुन्दर

3 i The Voice is great gift. It can be also a big bad master.

3 ii One mistake of tounge Or use of a wrong word can birth enemy at the place where we had hoped to get friend.

3 iii One educated person's voice can generate effect proud in uneducated listener.

Leave Blank रिक्त छोड़े

3 iv We can use a word which can be meaningful for our listener.

3 V Only one foolish will behave same in every kind of mankind situation and place.

3

3 b i लोकतंत्र, सिद्धांत, सहिष्णुता ~~आपस~~ और आपसी भाइचारे कि मांग करता है।

3 b ii समानता मांग करती है दूसरो के ~~सम्मान~~ और स्वतंत्रता की।

Do not write beyond this line

Leave Blank रिक्त छोड़े

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

हाशिया में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

3 (iii) दूसरी सरकार जो ~~आदेश~~ निर्देश देती है कि -

3 (iv)

3 (v) यह पूरी तरह से गलत ही नही बल्कि पूरी तरह से मूर्खता भी है

4 (i) Ans) संज्ञा विशेषण

4 (ii) उद्धरण चिन्ह — एकल उद्धरण चिन्ह (' ')
डबल उद्धरण चिन्ह (" ")

लाघव चिन्ह (०)

4 (iii) क्रिया विशेषण => अचानक

4 v जग मंदिर => जगत का मंदिर
य षष्ठी तत्पुरुष समास है।

4 v शब्द समास विग्रह
नवग्रह नौ ग्रहो का समूह
इसमे द्विगु समास है।

4 vi

4 vii शब्द संधि विच्छेद
अभ्यर्थी अभि + अर्थी
इसमे यण् स्वर संधि है।

4 viii भौ + अक => भावक (अयादि स्वर संधि)

4 ix विपत् + जाल => विपज्जाल

4 (x) प्रत्युपकार में यण् स्वर संधि है।
प्रति + उपकार => इ + उ

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

5 i
अकार्य का तद्भव => अकाज

5 ii
इमली का तत्सम => ईक्ष

5 iii
नीरस का विलोम => सरस

5 iv
[illegible] => [illegible]
[illegible] => [illegible]

5 (v)
[illegible] => [illegible]

5 vi
[illegible] कारीगर, कुम्हार के लिए
किया [illegible]

(iv) रंगा सियार होने का अर्थ है। गुण का अभाव होने पर भी गुणी प्रदर्शित करना

(v) उल्टे बांस बरेली => गुण के विपरीत काम करना

5 (ix) Disparity का हिन्दी पारिभाषिक शब्द => असमानता

(x) मानहानि => Dishonour

प्र. 6 (1)
उत्तर => कल्पना में आई रूप व्यापार योजना का कवि या श्रोता को अंत: साक्षात्कार का बोध होता है।

प्र. 6 (2)
भारतीय दृष्टि ने भावपक्ष को प्रधानता दी और रस के सिद्धांत की प्रतिष्ठा की।

प्र. 6 (3) Ans केवल देखने का आनंद कुछ विलक्षण को देखने का कुतूहल मात्र होता है।

 13

कॉलम मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

कल्पना काव्य का बोध पक्ष है।

6 (4)

9 (7)

संक्षेपण => निराला व कबीर के व्यक्तित्व में समानता है। दोनों बाहर से कठोर व अन्दर से नरम जिन्होंने दलितों पर हुए अत्याचारों को समाज के सम्मुख व्यक्त किया। दार्शनिक चिन्तन दोनों में विद्यमान था अन्तर बस यह था कि कबीर ज्ञान में सन्त अज्ञान में कवि व निराला ज्ञान में कवि व अनजान में सन्त थे।

पल्लवन अपने अपने — — — बेलगाम रही

=> निराला व कबीर अपने अपने युग में दोनों ही क्रांति के अग्रदूत थे निराला छायावादी तो कबीर भक्तिकाल के दोनों ने अपने युग की रूढ़िवादी प्रथाओं की घोर निंदा की, समाज को जाग्रत करने हेतु तत्पर रहे। व बरसों से चली आ रही रूढ़ियों को समाप्त करने हेतु कार्य किये समाज की संकीर्ण सोच पर व्यंग्य किये। मनुष्य में अन्तर न करने की प्रेरणा दी। समानता को दृष्टिगोचर करने हेतु प्रथाओं का बहिष्कार किया। और

ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

म मे प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करे

इन अत्याचारो से लड़ने हेतु समाज को जाग्रत किया। उनके अनुसार जब भगवान ने मानव मानव में अंतर नही बनाया तो मानव कौन होता है। अंतर निर्धारित करने वाला। जाति धर्म छूत अछूत का भेद मानव ने ही बनाया है। जिससे समाज में खिन्न उत्पन्न हो रही और और अत्याचार के कारण दलितों का जीना मुश्किल हो गया है। जिसे दूर करने के लिए निराला व कबीर ने भरसक प्रयास किये।

Leave Blank रिक्त छोड़े

Do not write beyond this line

PUNEKAR PUBLICATIONS KHAJURI BAZAR INDORE TM
पुणेकर